by the All India Leprosy Convention organised by the Bharat Mata Kusht Asbram;

(b) what are the main demands of the leprosy patients; and

(c) what specific steps are being taken by Government to rehabilitate the leprosy patients?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) to (c) The Bharat Mata Kusht Ashram, Faridabad submitted a copy of their letter dated 11-1-87 to the Ministry of Welfare which was addressed to the Chief Minister of Haryana. Their main demands are:—

(i) Ration to those who are just unable to do any work;

(ii) Humble dwelling units;

(iii) Employment opportunities to those who are fit to work etc.

Assistance is provided by the Ministry of Welfare to Voluntary Organisation for Vocational rehabilitation of disabled leprosy patients.

There is also a Scheme under the National Leprosy Eradication Programme for the establishment of Leprosy Rehabilitation Promation Units to provide vocational training to cured Leprosy patients.

एक ही रोग के लिए एकाधिक औषधियां

2792. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में एक ही रोग के लिए एकाधिक औषधियां बेचे जाने की अनुमति है ;

(ख) यदि हां, तो उस रोग के लिये इस प्रकार से बेचे जाने के लिये अनुमति प्राप्त औषधियों के नाम क्या हैं ; और

(ग) इस प्रकार की अनुमति प्रदान करने का औचित्य और कारण क्या हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (ग) विभिन्न औषधें एक ही रोग की रोकथाम, उपशमन और उपचार की क्रिया में विभिन्न तरीकों से काम करती हैं। एक ही तरीके से काम करने वाली औषधें भिन्न-भिन्न रोगियों द्वारा भिन्न-भिन्न ढंग से पचाई जाती हैं। इसी भांति, जहां तक प्रभावकारिता का संबंध है, विभिन्न औषधें एक ही रोग के लिये विभिन्न प्रभाव डालती हैं। एक ही रोग के लिये किसी औषध का चयन रोग की अवधि, रोग की गम्भीरता, रोग उत्पन्न करने वाले कारकों, रोगी के वैयक्तिक वृत्तांत, रोगी के पारिवारिक वृत्तांत, क्लिनिकल और प्रयोगशाला निदानों तथा रोगी द्वारा खाई जा रही अन्य औषधों आदि को ध्यान में रखकर किया जाता है। इस प्रकार एक ही रोग के इलाज के लिये एक से अधिक औषधों की जरूरत हो सकती है।

बिहार में स्टीमर-सेवा

2793. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में बरारीघाट, सुल्तानगंज, कहलगांव और मुंगेर खण्ड में भारतीय अन्तर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण द्वारा स्टीमर सेवा के प्रचालन के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया था, लेकिन अब इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है, और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ख) सरकार वहां से स्टीमर-सेवा कब तक आरम्भ करने का विचार रखती है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) और (ख) भारतीय अन्तर्देशीय जल-मार्ग प्राधिकरण, राष्ट्रीय जल मार्गों को विकसित करने तथा उसका अनुरक्षण करने और राष्ट्रीय जल मार्गों पर नौवहन तथा नौचालन को विनियमित करने वाला संगठन है। भारतीय अन्तर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण द्वारा स्टीमर सेवा जैसे वास्तविक प्रचालन की परिकल्पना नहीं की गई है। इसलिये भारतीय अन्तर्देशीय जल मार्ग प्राधिकरण द्वारा बरारी घाट, सुल्तान गंज, कहलगांव आदि में स्टीमर सेवा चलाने का अनुमोदन करने का प्रश्न नहीं होता।

तथापि, केन्द्रीय अन्तर्देशीय जलपरिवहन निगम, कलकत्ता, बिहार में कहलगांव (दक्षिणी तट) और काढ़ागोला (उत्तरी तट) के बीच यात्री-फेरी सेवा चलाता है।

आसाम मेल

2794. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आसाम मेल पहले पूर्वोत्तर रेलवे के थाना विहपुर जंक्शन पर रुकती थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पश्चिम में दिल्ली और पंजाब तथा पूर्व में गुवाहाटी के लिये प्रतिदिन लगभग 60 टिकटों की बिक्री होती है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार सुपरफास्ट गाड़ी 921 अप और 922 डाउन नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस को थाना विहपुर जंक्शन पर फिर से रोकने और उसमें आरक्षित शायिकाओं की व्यवस्था करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) से (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

2795. [*Transferred to the 25th August, 1987.*]

Errors of Facts in N.C.E.R.T. Books

2796. SHRI KALPNATH RAI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether any errors of facts or their interpretations have been noticed in the books produced for schools by NCERT;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what are the steps taken to rectify them?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) Nothing specific has been brought to the notice of the NCERT recently.

(b) Does not arise in view of the reply given to part (a).

(c) Whenever any errors of facts or their interpretation are brought to the notice of the NCERT, they are immediately looked into and necessary corrections are made.

Tapping of Private Telephone

2797. SHRI F. M. KHAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) at which level a final decision to tap a private telephone is taken;

(b) whether the reasons for the decision are recorded in writing; and

(c) whether Government maintains a list of the persons whose telephones are under tapping, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) to (c) Action is taken under the provisions